कबीर सागर–

चतुर्थ खण्ड ।

बोध सागर

प्रथम भाग

जिसमें

ज्ञान प्रकाश, अमरसिंहबोध और वीरसिंहबोध हैं ।

भारतपथिक कबीरपंथी–

स्वामी श्रीयुगलानन्द (बिहारी) द्वारा संशोधित ।

जिसको

खेमराज श्रीकृष्णदासने

बम्बई

निज " श्रीवेंकटेश्वर " स्टीम् प्रेसमें

मुद्रितकर प्रकाशित किया ।

संवत् १९७८ शाके १८४३